लोक सभा अध्यक्ष द्वारा अध्यक्षीय शोध कदम के उद्घाटन के अवसर पर दिनांक 23 जुलाई 2015 को संसदीय सौध, नई दिल्ली में दिया गया भाषण

1. अध्यक्षीय शोध कदम के उद्घाटन के अवसर पर आप सबका स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है । इस कदम के अंतर्गत संसद सदस्यों के लिए ''सतत् विकास लक्ष्य'' विषय पर पहली कार्यशाला आयोजित की जाएगी । मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की आभारी हूं जो अपने व्यस्त कार्यक्रम में से समय निकाल कर अध्यक्षीय शोध कदम के उद्घाटन के लिए हमारे बीच पधारे हैं ।

2. लोक सभा अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के पिछले एक वर्ष के दौरान कई बार मेरी सांसदों से विस्तारपूर्वक बातचीत हुई है। इन मुलाकातों के दौरान विभिन्न मुद्दों के बारे में अधिक जानकारी और इन्हें गहनता से समझने के लिए विविध प्रकार के महत्वपूर्ण मामलों के बारे में उच्च गुणवत्ता वाली शोध सामग्री की मांग की गई । इसी संदर्भ में शोध कदम की परिकल्पना तैयार हुई और कार्यान्वित की गई । हमारा एक कोर ग्रुप है जो सदस्यों के लिए तैयार किए जाने वाले संक्षिप्त विवरणों के लिए संतुलित जानकारी प्रदान करेगा । मैं आशा करती हूं कि यह एक दोतरफा संवादी प्रक्रिया होगी जिसमें सदस्य अपने फीडबैक के साथ-साथ अपने अमूल्य सुझाव भी देंगे ताकि इस कदम का उद्देश्य पूरा हो सके ।

3. पूरे विश्व में संसद की भूमिका लगातार जटिल होती जा रही है और पीठासीन अधिकारियों के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया है कि सदस्यों को शोध सहायता प्रदान करके उनकी क्षमता निर्माण कर उन्हें शक्ति-सम्पन्न करें ।

4. वर्तमान सभा के संदर्भ में, ऐसा सहयोग और समर्थन और भी आवश्यक है क्योंकि नए सदस्यों की संख्या अनुभवी सदस्यों से अधिक है । इसलिए, राष्ट्रीय हित और महत्व के सभी मामलों पर सुविचारित राय बनाने के लिए सामयिक रुचि के विषयों के विभिन्न पहलुओं पर विषय विशेषज्ञों से लगातार जानकारी की आवश्यकता है ।

5. वर्तमान व्यवस्था के अंतर्गत लोक सभा सचिवालय की शोध सेवा के माध्यम से माननीय सदस्यों को शोध सामग्री प्रदान की जाती है । विगत में भी संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो के माध्यम से माननीय सदस्यों के लिए विभिन्न व्याख्यानों/ चर्चाओं/कार्यशालाओं इत्यादि का आयोजन किया जाता रहा है । तथापि, एसआरआई के माध्यम से माननीय सदस्यों तथा एसआरआई की वर्तमान कार्यसूची और सदस्यों के अनुरोध के अनुसार उन्हें सेवाएं प्रदान करने वाले विषय विशेषज्ञों के साथ बातचीत की सुविधा प्रदान करके मौजूदा सेवाओं के अलावा अतिरिक्त व्यवस्था करने का विचार है । संसदीय अध्ययन तथा प्रशिक्षण ब्यूरो का कार्य हाल ही के समय में बढ़ा है और उन्होंने देश के सभी भागों से आए पत्रकारों के लिए परिबोधन कार्यक्रमों का आयोजन शुरू कर दिया है । इसके साथ ही उन्होंने माननीय सदस्यों के निजी स्टाफ के लिए कार्यशालाओं का आयोजन भी किया है । ब्यूरो लोक सभा सचिवालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए आवश्यकतानुसार और अधिक मॉड्यूल तैयार करने का कार्य भी कर रहा है । इसलिए एसआरआई के अंतर्गत नए शोध कदम की शुरुआत करना आवश्यक हो गया है । एसआरआई के अतंर्गत संसदीय ज्ञानपीठ में माननीय सदस्यों के लिए एक अलग कमरे की व्यवस्था कर दी गई है जहां वे परस्पर सुविधाजनक समय पर विषय विशेषज्ञों के साथ बातचीत कर सकते हैं ।

6. इसके अलावा, इस कदम में यह परिकल्पना भी की गई है कि माननीय सदस्य एसआरआई द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं का लाभ उठाने के साथ-साथ उन अतिरिक्त विषयों का भी सुझाव दें जिन्हें वे उस सूची में शामिल करना चाहते हों जिन पर एसआरआई इस समय ध्यान दे रहा है । शुरू में एसआरआई के अंतर्गत उन मुद्दों को लिया जाएगा जिन्हें कुछ सदस्य सामान्यतया जटिल मान रहे हैं । इनमें वित्तीय और राजस्व संबंधी मुद्दे, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी से जुड़े मुद्दे तथा सामाजिक क्षेत्र में स्वास्थ्य और पोषाहार सुरक्षा शामिल हैं ।

7. एसआरआई के तीन पहलू होंगे अर्थात् (क) माननीय सदस्यों के अनुरोध पर विशिष्ट मुद्दों के बारे में विशेषज्ञों द्वारा तथ्यात्मक विवरण की प्रस्तुति; (ख) अध्यक्षीय प्रशिक्षु कार्यक्रम; और (ग) अध्यक्षीय अध्येतावृत्ति कार्यक्रम ।

8. माननीय सदस्यों के लिए विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दिए जाने के अलावा एसआरआई अपने प्रयास से अध्येतावृत्ति योजना और प्रशिक्षु योजना का समन्वय करने पर भी विचार कर रहा है । दोनों योजनाओं को माननीय सदस्यों की शोध संबंधी आवश्यकता के निरंतर बढ़ते दायरे के अनुरूप बनाने के लिए इन्हें नया रूप प्रदान किया जाएगा ।

9. प्रशिक्षु योजना के अंतर्गत विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों और शोध संस्थाओं के युवा शोधार्थियों को प्रशिक्षु के रूप में शामिल किया जाएगा जो एसआरआई द्वारा समय-समय पर लिए जाने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर शोध कार्य करेंगे । इसी तरह संसदीय लोकतंत्र के लिए संगत विषयों तथा एसआरआई के समक्ष आने वाले अन्य विकासात्मक मुद्दों के बारे में शोध करने के इच्छुक शोधार्थियों को अध्येतावृत्ति अनुदान दिए जाने पर विचार किया जा सकता है । ये शोध सामग्री संसद सदस्यों को उनके क्षमता निर्माण के भाग के रूप में उपलब्ध कराई जाएंगी ।

10. अब जहां तक सतत् विकास लक्ष्यों के बारे में आज की कार्यशाला का संबंध है, यह माननीय सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण विषय है जिसके बारे में उन्होंने जानकारी मांगी है । इसलिए सदस्यों के लिए इस कार्यशाला का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है ताकि वे इस विषय के विभिन्न पहलुओं को समझ सकें ।

11. सतत् विकास का कार्य प्रगति पर है । ऐसे में यह और उपयुक्त हो जाता है कि हमारे शोध कदमों से सतत् विकास लक्ष्यों के मानदंडों को स्पष्ट करने का मार्ग प्रशस्त हो । शोध कदम से हमें सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में आने वाली अड़चनों का पता लगाने और नीतिगत कदमों के माध्यम से उन्हें दूर करने में मदद मिलेगी ।

12. इन्हीं शब्दों के साथ मैं आशा करती हूं कि इस कार्यशाला में होने वाली चर्चा सदस्यों और हितधारकों के लिए उपयोगी होगी ।

धन्यवाद ।